Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
May 2024 5(5), 544–548

STUDY OF AWARENESS OF SECONDARY LEVEL TEACHERS TOWARDS DISASTER MANAGEMENT AND RELIEF PROGRAMS

माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन एवं सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना का अध्ययन

Naveen Kumar Saini [1], Kalpana Sengar [2]

[1] Researcher, Apex University, Jaipur, India
[2] Research Director, (Professor), Apex University, Jaipur, India

DOI
10.29121/shodhkosh.v5.i5.2024.1967

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

ABSTRACT

English: The objective of this study was to study the awareness of secondary level teachers towards disaster management and relief programs. Survey method has been used in this study. 200 teachers studying in government schools of Jaipur district have been selected for the sample. In the presented research study, self-made disaster management awareness scale and disaster relief program awareness scale have been used. The data has been analyzed through mean, standard deviation and t-test. In the conclusion of the study, it was found that there is no significant difference in the awareness of secondary level female and male teachers towards disaster management and relief programs.

Hindi: इस अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन एवं सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना का अध्ययन करना था। इस अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। जयपुर जिले के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् 200 शिक्षकों का चयन न्यादर्श हेतु किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में स्वनिर्मित आपदा प्रबन्धन चेतना मापनी एवं आपदा सहायता कार्यक्रम चेतना मापनी का प्रयोग किया गया है। प्रदत्तों का विष्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी-परीक्षण के माध्यम से किया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष में यह पाया कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरूष शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन एवं सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर नहीं है।

Keywords: Secondary Level, Disaster Management, Relief Program, माध्यमिक स्तर, आपदा प्रबन्धन, सहायता कार्यक्रम

1. प्रस्तावना

आपदा प्रबंधन का अर्थ है कि ऐसे सभी उपाय किए जाने चाहिए जिससे खतरा आपदा का रूप न ले सके। चूंकि, हम कई प्राकृतिक खतरों को आने से नहीं रोक सकते हैं, लेकिन जीवन और संपत्ति के नुकसान को कम करने के लिए उचित प्रबंधन द्वारा उनके हानिकारक प्रभावों को कम कर सकते हैं। आपदाएं प्राकृतिक या मानवीय खतरों के परिणाम हैं। वास्तव में वर्तमान खतरा प्राकृतिक आपदाओं से उतना नहीं है, जितना मानव निर्मित आपदाओं से है। उदाहरण के लिए - सतत शहरीकरण के कारण शहरी बाढ़, खराब जल प्रबंधन के कारण सूखा, तेजी से ढांचागत विकास और हिमालय क्षेत्र जैसे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में अधिक जनसंख्या बसने से भूकंप और भूस्खलन की समस्या पैदा होती है।

कोई ऐसा प्राकृतिक अथवा मानव जनित ऐसी घटना जो समाज के सामान्य जनजीवन में गंभीर व्यवधान उत्पन्न कर दे, जिसके परिणाम स्वरूप बहुत बड़े स्तर पर जान, माल, प्रकृति तथा अन्य नुकसान हो और जिसको प्रभावित समाज अपने संसाधनों से पुर्नस्थापित नही कर सकता हो। प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित आपदा से समुदाय का सामना करने की क्षमता नहीं होती है तथा धन, जन तथा वातावरण की बड़े पैमाने पर भारी क्षति होती है। आपदा धीरे-धीरे या अचानक होने वाली घटना है।

आपदाएं मानव निर्मित या प्राकृतिक तबाही है जो पर्यावरण और मानव जीवन को बहुत नुकसान पहुंचाती है। आपदाएँ दो प्रकार की होती हैं और वे प्राकृतिक और मानव निर्मित होती हैं। प्राकृतिक आपदा के कुछ उदाहरण हैं- भूस्खलन, सुनामी, चक्रवात, बवंडर, भूकंप आदि।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

जोशी, सोनोपंत (2023) - आपदा प्रबंधन के संबंध में स्कूल शिक्षकों का ज्ञान और व्यवहार पर अध्ययन।

उद्देश्य

- आपदा प्रबंधन के संबंध में स्कूल शिक्षकों का ज्ञान और व्यवहार पर अध्ययन करना।

2. निष्कर्ष

- विकासशील देशों को आपदाओं के कारण बड़ा नुकसान होता है। आपदा से होने वाले नुकसान को कम करना अधिकांश सरकारों का एक बुनियादी लक्ष्य है।
- स्कूल में आपदाओं से निपटने के लिए स्कूल शिक्षकों को आपदाओं और उसके परिणामों के बारे में जागरूक होना चाहिए।
- पुणे शहर के चयनित स्कूलों में माध्यमिक विद्यालय के षिक्षकों में आपदा प्रबंधन के संबंध में ज्ञान औसत पाया गया।
- पुणे शहर के चयनित स्कूलों में माध्यमिक विद्यालय के षिक्षकों में आपदा प्रबंधन के संबंध में ज्ञान और स्व-व्यक्त प्रथाओं में मध्यम सकारात्मक सहसंबंध था।
- शिक्षकों का ज्ञान और स्व-अभिव्यक्त अभ्यास संतोषजनक स्तर पर नहीं थे। शिक्षकों में क्षमता निर्माण अत्यंत आवश्यक है।

खराट, परमेष्वर (2022) - शहर के चयनित माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों में आपदा तैयारी और शमन पर जागरूकता कार्यक्रम की प्रभावशीलता।

उद्देश्य

- चयनित माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों में आपदा तैयारी और शमन के संबंध में ज्ञान के स्तर का आकलन करना।
- चयनित माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों में आपदा तैयारी और शमन पर जागरूकता कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करना।
- चयनित माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के ज्ञान स्कोर और चयनित जनसांख्यिकीय चर में संबंध का पता लगाना।

3. निष्कर्ष

- माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के परीक्षण के बाद जागरूकता के अंक, परीक्षण-पूर्व जागरूकता के अंक से अधिक हैं।
- माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को आपदा तैयारियों और शमन के संबंध में अपर्याप्त ज्ञान था।

- जागरूकता कार्यक्रम में आपदा तैयारियों और शमन के संबंध में जागरूकता बढ़ाने की काफी संभावनाएँ थीं।
- जागरूकता कार्यक्रम में आपदा तैयारियों और शमन के संबंध में जागरूकता बढ़ाने की काफी संभावनाएँ थीं।

अध्ययन का उद्देष्य

1) माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना का अध्ययन करना।
2) माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1) माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
2) माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर जिले के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् 200 शिक्षकों का चयन न्यादर्श हेतु किया गया है।

प्रदत्त संकलन हेतु उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में स्वनिर्मित आपदा प्रबन्धन चेतना मापनी एवं आपदा सहायता कार्यक्रम चेतना मापनी का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रदत्तों का विष्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी-परीक्षण के माध्यम से किया गया है।

प्रदत्तों का विष्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना 1- माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

तालिका 1 माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना में अंतर

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी-मान	परिणाम
महिला शिक्षक	100	55.11	4.17	0.96	अस्वीकृत
पुरूष शिक्षक	100	54.58	54.58	3.66	

4. व्याख्या एवं विष्लेषण

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरूष शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना का मध्यमान क्रमशः 55.11 व 54.58 और मानक विचलन क्रमशः 4.17 व 3.66 है। मध्यमान एवं मानक विचलन की सहायता से टी-परीक्षण की गणना करने पर मान 0.96 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 198 और 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका के मान 1.97 से कम है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है।

आरेख: 1

माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना के मध्यमान एवं मानक विचलन

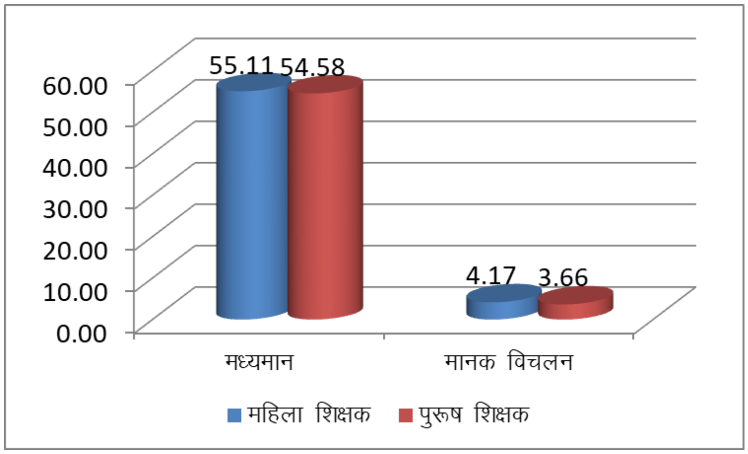

परिकल्पना 2- माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

तालिका 2माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना में अंतर

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी-मान	परिणाम
महिला शिक्षक	100	36.49	4.28	1.86	अस्वीकृत
पुरूष शिक्षक	100	37.68	4.74		

5. व्याख्या एवं विष्लेषण

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरूष शिक्षकों की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना का मध्यमान क्रमशः 36.49 व 37.68 और मानक विचलन क्रमशः 4.28 व 4.74 है। मध्यमान एवं मानक विचलन की सहायता से टी-परीक्षण की गणना करने पर मान 1.86 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 198 और 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका के मान 1.97 से कम है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है।

आरेख: 2

माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना के मध्यमान एवं मानक विचलन

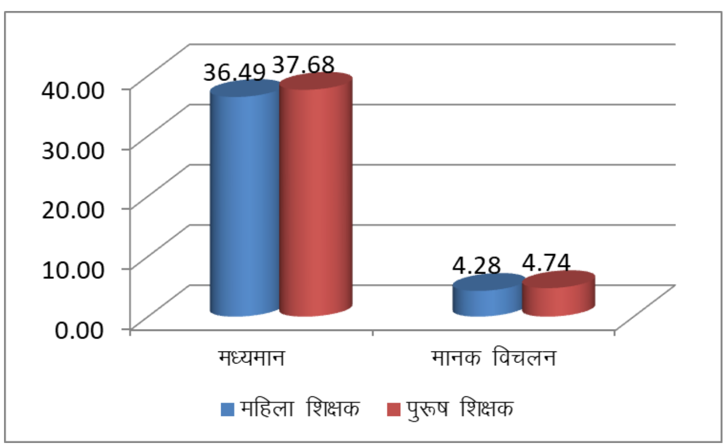

6. निष्कर्ष एवं सुझाव

प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष में यह पाया कि माध्यमिक स्तर के महिला एवं पुरूष शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन एवं सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर नहीं है। अतः प्रस्तुत अध्ययन के आधार पर शिक्षकों के लिए निम्न सुझाव दिये जाते हैं-

- शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों को प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के बारे में जागरूक करना चाहिए।
- वृत्तचित्रों और वीडियो का उपयोग ज्ञान प्रसारित करने आपदा प्रबन्धन और सहायता कार्यक्रमों की जानकारी दी जानी चाहिए।
- शिक्षकों के द्वारा कक्षा-शिक्षण में सामाजिक ज्ञान एवं विज्ञान जैसे विषयों को पढ़ाते समय ऐसी पाठ्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन किया जाना चाहिए ताकि विद्यार्थी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक हो सकें।
- पोस्टर, प्लेकार्ड, पत्रिकाओं एवं लघु नाटिकाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में आपदा प्रबन्धन जागरूकता और तैयारी संदेश प्रसारित किए जाने चाहिए।

CONFLICT OF INTERESTS

None.

ACKNOWLEDGMENTS

None.

REFERENCES

Changeria, C.S. (2011). Disaster Management. Chittaurgarh: Chetan Publications.

Gupta, H. K. (2003). Disaster Management, Telangana: Sangam Books Publications Pvt. Ltd.

Joshi, S. (2023). Study on Knowledge and Attitude of School Teachers Towards Disaster Management. International Journal of Health System and Disaster Management, 2(2), 98-102.

Kharat, P. (2022). Effectiveness of Awareness Programme on Disaster Preparedness and Mitigation Among Teachers in Selected Secondary Schools of the City. International Journal of Advance Research, Ideas and Innovations in Technology, 8(3), 658-662.

Mishra, S. G. (2018). Disaster Management, Delhi: Prabhat Publishers.

Mishra, S.P. (2005). Natural Calamities and Disasters. Jaipur: Pointer Publishers.

Narayan (2015). Publications on Environment, Natural Disasters and Management. Jaipur: Adi Publications.

Pathak, U. (2016). Disaster Management. New Delhi: Agni Publications.

Swapna (2022). A Study to Assess the Effectiveness of Awareness Programme Regarding Disaster Preparedness and First Aid Management Among School Teachers in Selected Area of Bhilai. Journal of Emerging Technologies and Innovative Research, 9(12), 134-143.